प्रश्न – भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS) से आप क्या समझते हैं? इन्कोइस (INCOIS) द्वारा अध्ययन के लिए प्रयोग किये जाने वाले उपकरणों को बताते हुए इसके विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग को भी बताइये। भारत पर इसके क्या प्रभाव हो सकते है? (200 शब्द)

What do yo understand by Indian National Centre for Ocean Information Services (INCOIS)? Explaining the tools used by (INCOIS) for study, tell its use in different fields. What impact can it have on India? (200 Words)

मॉडल उत्तर

भूमिका- भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र (INCOIS) **को बतायें।**

प्रथम पैराग्राफ में इन्कोइस (INCOIS) द्वारा अध्ययन के लिये प्रयोग होने वाले उपकरण के बारे में बतायें-

- इन्कोइस (INCOIS) द्वारा प्रयोग किये जाने वाला एक उपकरण आर्गो (Argo) है।
- आर्गो (Argo) जानकारी को सेटेलाइट के माध्यम से भूमि पर स्थित केन्द्रों तक पहुँचाता है। इसकी सहायता से समुद्र की ऊपरी सतह से लेकर 2000 मी. की गहराई तक आंकड़ों को एकत्रित किया जा सकता है।
- आर्गो के अतिरिक्त बॉयो आर्गो उपकरण भी है।
- इन उपकरणों को विश्व के विभिन्न देशों ने अपने निकटवर्ती समुद्री क्षेत्रों में लगाया है।
- इन उपकरणों के अतिरिक्त सरत (SARAT) वाइफेक्स (WIFEX) आदि का भी प्रयोग किया जाता है।

द्वितीय पैराग्राफ में इन उपकरणों के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग को दिखायें-

- आर्गो (Argo) का प्रयोग समुद्री सतह का तापमान और लवणता की जानकारी प्राप्त करने के लिये किया जाता है।
- बॉयो आर्गो (Bio Argo) का प्रयोग समुद्री सतह का तापमान और लवणता के साथ ही नाइट्रेट, क्लोरोफिल, घुले हुए कार्बनिक पदार्थो की मात्रा, घुली हुई ऑक्सीजन की मात्रा आदि के अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।
- भारतीय सुनामी प्रारम्भिक चेतावनी केन्द्र आर्गो की सहायता से भूकंप के बाद उठी लहरों की दिशा और तीव्रता ज्ञात की जा सकती है।
- बॉयो आर्गो (Bio Argo) के प्रयोग से सम्भावित मत्स्यन क्षेत्र की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

तृतीय पैराग्राफ में भारत पर प्रभाव को दिखायें-

- भारत में इन उपकरणों के प्रयोग से भूकम्प, सुनामी जैसी भयावह आपदा से कम से कम जान-माल की क्षति हो सकेगी।
- सम्भावित मत्स्यन क्षेत्र की जानकारी से भारतीय मछुआरे को लाभप्रद स्थिति में लाया जा सकता है।
- सरत (SARAT- Search and Rescue Aid tool) के माध्यम से खोये हुए ए एन-32 एयर क्राफ्ट की खोज एवं बचाव कार्य में सहायता ली गयी थी।
- भारतीय मानसून का पूर्वानुमान लगाने में सहायता मिली है।
- वायु की चाल और दिशा, तेल रिसाव घटना, खगोलीय ज्वार, मिश्रित स्तरीय गहरायी आदि की पूर्व सूचना इन्कोइस द्वारा प्राप्त की जा सकती है जिससे भारत ने अपने आपकों मजबूती से प्रस्तुत किया है।

अंत में संक्षिप्त व संतुलित निष्कर्ष दें।

नोट:- प्रश्नानुसार उत्तर के सभी बिन्दुओं को समाहित किया गया है, निर्धारित शब्द सीमा में व्यवस्थित कर विश्लेषण कर सकते हैं।